RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 05 अगस्त 2022 | वर्ष 04 | अंक 96 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## BJP कोटे से बन सकते हैं 8 मंत्री
# महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार

**कारगर सिद्ध होने वाला है शिंदे गुट द्वारा तैयार किया गया फॉर्मूला..!**

**मुंबई,** महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन करने वाले एकनाथ शिंदे का मंत्रीमंडल पहली बार आकार ले रहा है. शुक्रवार को एकनाथ शिंदे कैबिनेट का विस्तार होने जा रहा है. इसमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और एकनाथ शिंदे गुट से सात मंत्री कार्यभार संभालेंगे.

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन करने वाले एकनाथ शिंदे का मंत्रीमंडल पहली बार आकार ले रहा है. शुक्रवार को एकनाथ शिंदे कैबिनेट का विस्तार होने जा रहा है. काफी माथापच्ची के बाद बीजेपी और शिवसेना के शिंदे गुट के बीच मंत्रियों के बंटवारे पर फैसला किया गया है. इसमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और एकनाथ शिंदे गुट से सात मंत्री कार्यभार संभालेंगे. हालांकि, इस लिस्ट में महाराष्ट्र की पूर्ववर्ती देवेन्द्र फडणवीस सरकार में मंत्री रहे कई सीनियर विधायकों का पत्ता भी इस शिंदे कैबिनेट में काट दिया गया है.



एकनाथ शिंदे ने 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. जिसके लगभग एक महीने बाद अब कैबिनेट का विस्तार हो रहा है. इससे पहले विपक्षी दल शिंदे सरकार पर निशाने साधे हुए हैं. महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार भले ही एक महीने से नहीं हुआ हो, लेकिन शिंदे सरकार ने इस दौरान करीब 751 से अधिक सरकारी आदेश जारी किए हैं. इनमें 100 से अधिक आदेश केवल स्वास्थ्य विभाग से ताल्लुक रखते हैं. इससे पहले शिवसेना में विद्रोह होने के बाद ही पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार ने चार दिन के अंदर 182 सरकारी आदेश जारी किए थे.

सरकार के गठन के बाद कैबिनेट विस्तार नहीं होने पर शिंदे की सरकार विपक्ष के निशाने पर भी रही है. एनसीपी और कांग्रेस कई बार शिंदे सरकार पर कैबिनेट विस्तार न होने का निशाना साध चुकी है. कैबिनेट विस्तार के लिए शिंदे गुट द्वारा तैयार किया गया फॉर्मूला कारगर सिद्ध होने वाला है. सूत्रों के अनुसार इस फॉर्मूले में इस बात की जिक्र है कि किस पार्टी को कितने मंत्री पद मिलेंगे. इस फॉर्मूले पर फैसला बीजेपी को करना है.

## डीसीपी पराग मानेरे बहाल
### उद्धव सरकार ने किया था निलंबित

**मुंबई,** जबरन वसूली मामले में निलंबित चल रहे डीसीपी पराग मानेरे को बहाल कर दिया गया है। मुंबई के पूर्व सीपी परमबीर सिंह मामले में नाम सामने आने के बाद उद्धव सरकार ने पराग मानेरे को निलंबित किया था।

जानकारी के मुताबिक, 23 जुलाई को परमबीर सिंह के खिलाफ एक वसूली का एक अन्य मामला दर्ज किया गया था। इसमें डीसीपी पराग मानेरे समेत पांच अन्य लोगों के नाम थे। इसके बाद पराग मानेरे को निलंबित कर दिया गया था। दरअसल, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर मुंबई के पब, होटल और रेस्टोरेंट से हर माह 100 करोड़ की वसूली का आरोप लगाकर परमबीर सुर्खियों में आए थे।

## एप के जरिए होती थी ड्रग्स सप्लाई
# दवा फैक्ट्री से 1403 करोड़ की ड्रग्स पकड़ाई

**मुंबई.** मुंबई में बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है, यहां से 1403 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ाई है. मुंबई पुलिस की एंटी नॉरकोटिक्स सेल (ल्ला३ ल्लां१ड्ड२ ्री'') ने पालघर जिले के नालासोपारा इलाके में एक दवा फैक्ट्री पर छापा मारा था. यहां से पुलिस ने 703 किलो एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में 1403 करोड़ रुपए कीमत बताई गई है. पुलिस ने मुख्य सप्लायर सहित 5 ड्रग्स पेडलरों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कई सोशल मीडिया एप के जरिए मुंबई और कई इलाकों में ड्रग्स सप्लाई करते थे. दवा फैक्ट्री की आड़ में ड्रग्स फैक्ट्री चलाई जा रही थी.

डीसीपी एंटी नॉरकोटिक्स सेल दत्ता नलावड़े ने बताया कि पहले आरोपी से पूछताछ में पता चला कि मुंबई से 60 किमी दूर दवा फैक्ट्री की आड़ में ड्रग्स बनाए और सप्लाई किए जा रहे हैं. दरअसल 29 मार्च 2022 को एंटी नॉरकोटिक्स सेल ने एक ड्रग्स पेडलर को 250 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था. इससे पूछताछ में नालासोपारा की ड्रग्स फैक्ट्री के लिंक मुम्बई पुलिस को मिला. इस लिंक की जांच करते हुए पुलिस की टीम नालासोपारा की ड्रग्स फैक्ट्री में छापा मारा और वहां से 1403 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद करते हुए मुख्य सप्लायर प्रेम कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर तीन और आरोपियों को बाद में पुलिस ने गिरफ्तार किया.

आरोपियों से पूछताछ में चौकाने वाली मोडेस ऑपरेंडी सामने आई है. पुलिस के मुताबिक दवा कंपनी की आड़ में यह ड्रग्स फैक्ट्री चलाई जा रही थी. मुख्य सप्लायर प्रेम कुमार सिंह को केमिस्ट्री की बहुत अच्छी नॉलेज थी. इसी का फायदा उठाकर वह ड्रग्स फैक्ट्री में ड्रग्स खुद बनाता था और उसकी सप्लाई करने के लिए सोशल मीडिया एप का सहारा लेता था. वह सोशल मीडिया एप के जरिए ड्रग्स पेडलर उससे संपर्क करते थे और इन्ही पेडलरों के जरिए वह मुम्बई और उसके आस-पास के इलाकों में ड्रग्स की सप्लाई होती थी. यह सप्लाई पिछले कई महीनों से जारी थी. मुम्बई पुलिस इस मामले में अब यह पता करने की कोशिश कर रही है कि इस ड्रग्स तस्करी का अंडरवल्र्ड या बॉलीवुड जगत से कोई कनेक्शन तो नही है. इस दिशा में एंटी नॉरकोटिक्स सेल ने जांच भी शुरू कर दी है. फिलहाल पुलिस इस पूरे रैकेट की सभी कड़ियों तक पहुँचने में जुटी हुई है.

## महाराष्ट्र एटीएस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी
# टेरर फंडिंग मामले में संदिग्ध गिरफ्तार

**मुंबई:** महाराष्ट्र के आतंक-रोधी दस्ते ने कथित आतंक वित्तपोषण मामले में भगोड़े कुख्यात अपराधी दाउद इब्राहिम के सहयोगी को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. एटीएस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में अनीस इब्राहिम का भी नाम शामिल है जो दाउद का छोटा भाई और भगोड़ा अपराधी है.

अधिकारी ने बताया कि एटीएस की कालाचौकी इकाई के अधिकारियों ने बुधवार को परवेज जुबैर मेमन (47) को उसके वसोंवा इलाके स्थित घर से गिरफ्तार किया. उन्होंने बताया कि अनीस के साथ ही मेमन भी ह्यह्यराष्ट्र-विरोधी गतिविधियों'' में संलिप्त था. परवेज को कोर्ट ने 10 अगस्त का ATS की कस्टडी में भेज दिया है. एटीएस अधिकारी ने कहा कि मंगलवार को अनीस इब्राहिम और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 121(ए) (भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना) और गैरकानूनी




गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की धारा 17,18 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी. अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान मामले में मेमन की संलिप्तता सामने आई. उन्होंने कहा कि मेमन ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि वह एमडीएमए, केटामाइन जैसे मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था.

एटीएस अधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध कृत्यों से प्राप्त धन को आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रतिबंधित संगठनों को भेजा जाता था. परवेज जुबैर डी-कम्पनी के टेरर फंडिंग का वो सिपेसालर था जो भारत मे आतंकी गतिविधियों को अंजाम देनेवाले टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन और संगठनों को आर्थिक मदद मुहैया करवाने में मदद करता था.

## संपादकीय / लेख

# महत्वाकांक्षाओं को झटका

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

**अगर 2024 में विपक्ष भाजपा को किसी भी प्रकार की चुनौती देना चाहता है तो उसमें कांग्रेस और टीएमसी को केंद्रीय भूमिका निभानी होगी। सम्भावनाएं हैं कि विपक्ष की ओर से ये ही दो पार्टियां सर्वाधिक सीटें जीतेंगी। लेकिन जब ममता एक भाजपा-विरोधी गठबंधन के समर्थन में नई दिल्ली आईं तो राहुल गांधी ने उनसे भेंट नहीं की। राहुल के प्रतिकूल रवैए ने एक सम्भावित कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन पर सवालिया निशान लगा दिए। इधर ममता अपने पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के भ्रष्टाचार से स्वयं को भरसक दूर रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन बंगाल में हर कोई जानता है कि वहां ममता की सहमति के बिना पत्ता भी नहीं खड़कता। इस घोटाले ने ममता की सादा छवि पर बट्टा लगा दिया है, जिसे उन्होंने गढ़ा था। वे सफेद सूती साड़ी पहनती हैं, छोटे घर में रहती हैं और उनकी जीवनशैली सादगी से भरी है। लेकिन ईडी को चटर्जी की करीबी अर्पिता के घर से जो धन-दौलत मिली, वो यकीनन पार्टी-फंड्स हैं, जिन्हें ह्यसुरक्षितह्ल ठिकानों पर सहेजकर रखा गया था। 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही ममता पर राजनीतिक हिंसा भड़काने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। शारदा घोटाले की जांच तो अभी तक चल रही है। अनेक टीएमसी नेता इसके घेरे में हैं। लेकिन पार्थ चटर्जी और अर्पिता जिस एसएससी घोटाले में फंसे हैं, वह 2016 में तब शुरू हुआ था, जब चटर्जी को ममता ने शिक्षा मंत्री बनाया था। यह घोटाला ममता की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर भारी पड़ सकता है। ममता अतीत में लगाए आरोपों को दरकिनार करती रही हैं। टीएमसी कैडर द्वारा भाजपा कार्यकताओं के साथ की गई हिंसा के मामले से भी उन्होंने खुद को अलग कर लिया था। बंगाल चुनाव परिणामों के बाद हुई उस हिंसा के बाद जब भाजपा हाईकमान ने भी अपने कार्यकताओं की हत्याओं पर ढुलमुल रवैया अपनाया तो इससे ममता के हौसले बुलंद हुए। वास्तव में बंगाल 1977 में वाम दलों के सत्ता में आने के बाद से ही राजनीतिक हिंसा का गढ़ बना हुआ है। लेफ्ट के 34 वर्षीय शासनकाल में राजनीतिक विरोधियों की टारगेटेड किलिंग आम बात थी। लेकिन टीएमसी तो खूनखराबे की इस संस्कृति को एक दूसरे ही स्तर पर ले गई है। 2021 की जीत के बाद ममता के मन में राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा जगी थी, लेकिन अब उनकी छवि धूमिल हो चुकी है। 2024 में बंगाल से 35 सीटें जीतने के अरमान ठंडे होने लगे हैं। और राहुल के बारे में क्या? जहां मोदी और शाह चौबीस घंटे के राजनेता हैं, वहां राहुल पार्ट-टाइमर दिखाई देते हैं। वे जब-तब संसद में कैमियो अपीयरेंस देते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी से दूर होते जा रहे हैं। उसकी सत्ता केवल दो राज्यों में शेष रह गई है। पंजाब, कर्नाटक और महाराष्ट्र भी अब हाथ से निकल गए। राहुल जानते हैं कि 2024 में कांग्रेस के लिए 50 सीटें जीतना मुश्किल होगा। 2019 में भी उसके द्वारा जीती 52 सीटों में से 15 तो अकेले केरल से थीं। यूपी में कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ा था। करारी हार से उनका भी उत्साह ठंडा हो चुका है। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस का वोट-शेयर 6.25 से घटकर 2.33 पर पहुंच गया था। वास्तव में आज भारतीय राजनीति में तीन केंद्र बन गए हैं। एक तरफ लगभग अपराजेय भाजपा है। दूसरी तरफ केसीआर, जगन रेड्डी, एमके स्टालिन, नवीन पटनायक जैसे क्षेत्रीय क्षत्रप हैं, जिनकी निष्ठा किसी के प्रति नहीं, सिवाय अपनी जागीरों के। कांग्रेस तीसरी धुरी है, लेकिन यूपीए बिखर रहा है। शरद पवार के नेतृत्व में विपक्ष ने रणनीति बनाई थी कि यूपीए, टीएमसी व क्षेत्रीय नेताओं को मिलाकर गठजोड़ बनाया जाएगा, लेकिन महाराष्ट्र के हादसे के बाद ये हौसले भी पस्त हो चुके हैं। देश को यही संदेश गया कि जब एक बेडौल गठबंधन एक राज्य में सत्ता नहीं बचा सका तो पूरे देश में कैसे एकजुट रह सकेगा?**

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

## आईएसआई ने भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए बनाया

# लश्कर-ए-खालसा!



**मुंबई. आतंकी संगठन को लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने केंद्र सरकार को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट बताती है कि लश्कर-ए-खालसा को विशेष रूप से पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों ने आईएसआई के सक्रिय समर्थन से भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए बनाया है।**

सूत्रों ने कहा कि आईबी ने अपनी रिपोर्ट में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या का भी उल्लेख किया है। आबे को हाल ही में एक बंदूकधारी ने पीछे से एक हमला कर मार डाला था। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को कार्यक्रमों के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यहां लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिरंगा फहराएंगे। सूत्रों ने कहा कि रिपोर्ट में आईबी ने यह भी चेतावनी दी है कि लश्कर-ए-खालसा अफगानिस्तान और सूडान के नागरिकों पर हमला कर सकता है, जो वर्तमान में भारत में रह रहे हैं।

सरकार को 'लश्कर-ए-खालसा' नाम के एक नए आतंकी संगठन के बारे में खुफिया जानकारी मिली है। यह आतंकी संगठन स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले या उसके दौरान राष्ट्रीय राजधानी और जम्मू-कश्मीर में भी हमले शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके बारे में कहा जाता है कि इसे पाकिस्तान की खूफिया एजेंसी आईएसआई ने बनाया है। इसके पीछे कई अन्य आतंकी संगठन भी जुड़े हुए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, आईबी ने अपनी 10 पन्नों की रिपोर्ट सरकार को सौंपी है। इसमें नए आतंकी संगठन के पूरे कामकाज का ब्यौरा दिया गया है। खूफिया एजेंसी ने कहा कि इस आतंकी संगठन को हाल ही बनाया गया है और इसमें अफगान लड़ाके भी शामिल हैं। रिपोर्ट में राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती में हिंसक घटनाओं का जिक्र किया गया है। इन घटनाओं का जिक्र यह दिखाने के लिए किया गया है कि कैसे कट्टरपंथी समूह सक्रिय हैं, जो दंगा जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं।

## बॉलीवुड से एक बड़ी दुखभरी खबर:

# मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन



**मुंबई.** पॉपुलर फिल्म एक्टर मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन हो गया है। वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। बताया जा रहा है कि 68 वर्षीय मिथिलेश चतुर्वेर्दी ने 4 अगस्त की सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल आखिरी सांस ली। मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन कार्डियक अरेस्ट आने से हुआ है। इस बात की पुष्टि उनके दामाद आशीष चतुर्वेदी ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से बातचीत में की है। आशीष चतुर्वेदी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी मिथिलेश चतुर्वेदी को कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद से कोकिलाबेन में उनका इलाज चल रहा था।

वहीं 'क्रेजी 4' और 'कोई मिल गया' में मिथिलेश चतुर्वेदी के साथ काम कर चुके डायरेक्टर जयदीप सेन ने कार्डियक अरेस्ट की बात कन्फर्म की। उन्होंने यह भी बताया कि मिथिलेश चतुर्वेदी रिकवर होने के लिए बीच में लखनऊ भी गए थे। जयदीप सेन ने कहा, 'मिथिलेश जी के साथ मेरा बहुत ही करीबी रिश्ता था। 'कोई मिल गया' और 'क्रेजी 4' में मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला था।

'क्रेजी 4' बतौर निर्देशक मेरी पहली फिल्म थी। बहुत दुख होता है जब आप किसी को इतने करीब से जानते हो। उनके साथ काम किया है। उनके हुनर और उनकी प्रतिभा को करीब से इस्तेमाल किया है। ऐसे अच्छे इंसान जब दुनिया से चले जाते हैं तो बहुत दुख होता है।'

# महिला एवं बाल विकास मंत्रायल में निकली वैकेंसी, 19 अगस्त तक करें आवेदन

**मुंबई.** सरकारी नौकरी की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है. महिला एवं बाल विकास, महाराष्ट्र ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी, कानूनी-सह परिवीक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित कई पदों पर वैकेंसी निकाली है. इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया 2 अगस्त 2022 से शुरू हो गई है और आवेदन करने की अंतिम तारीख 19 अगस्त 2022 है. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार जो इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं वे आधिकारिक वेबसाइट @ maharashtra.gov.in पर जाकर नोटिफिकेशन चेक कर सकते हैं.

वैकेंसी डिटेल्स

आवेदन और फीस भरने की शुरूआती तारीख : 02 अगस्त 2022

आवेदन और शुल्क भरने की आखिरी तारीख : 19 अगस्त 2022

जानें शैक्षणिक योग्यता

इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता 12 वी पास, ग्रेजुएशन / पीजी डिग्री,डिप्लोमा, एलएलबी, कंप्यूटर (बीसीए) या समकक्ष योग्यता होना चाहिए.

**आयु सीमा**

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 साल और अधिकतम आयु 43 साल होनी चाहिए.

**जानें चयन प्रक्रिया**

इन पदों पर उम्मीदवारों का सिलेक्शन लिखित परीक्षा और उसके बाद इंटरव्यू से आधार पर किया जाएगा.

**जानें कैसे करें आवेदन**

स्टेप 1. उम्मीदवार www.wcdcommpune.com पर क्लिक करें.

स्टेप 2. ऑनलाइन आवेदन पर क्लिक करें.

स्टेप 3. सभी जरूरी डिटेल्स भरें.

स्टेप 4. सभी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें.

स्टेप 5. आवेदन शुल्क का भुगतान करें.

# CNG महंगी होने के बाद अब ऑटो-टैक्सी यूनियन ने की किराए में बढ़ोतरी की मांग

**मुंबई,** बीते दिन आम आमदी को महंगाई का झटका देते हुए सीएनजी और पीएनजी की कीमत बढ़ा दी गई थी. वहीं अब ऑटो रिक्शा चालकों और टैक्सियों ने किराया बढ़ाने की मांग कर दी है. गौरतलब है कि मुंबई में ऑटो और टैक्सियों के लिए न्यूनतम किराया वृद्धि की मांग पहले से हो रही थी लेकिन सीएनजी की कीमत में बुधवार को हुई भारी बढ़ोतरी (86 रुपये प्रति किलोग्राम) के बाद ऑटो व टैक्सी चालकों ने किराए में 3 रुपये से बढ़कर 4 रुपये की वृद्धि करने की मांग की है.

मुंबई रिक्शामेन यूनियन के थम्पी कुरियन ने कहा, ह्लखट्टुआ कमेटी की कैलकुलेशन के अनुसार, जो ईंधन की कीमत, जीवन निर्वाह सूचकांक की लागत, पूंजीगत लागत, वाहन के रखरखाव, बीमा आदि को ध्यान में रखती है, न्यूनतम वृद्धि हमें कुछ दिन पहले 3 रुपये मिली होगी लेकिन अब बुधवार से सीएनजी की कीमतों में 6 रुपये प्रति किलो की नई बढ़ोतरी के साथ, गणना बदल गई है. अब हम मौजूदा फॉमूर्ले के अनुसार न्यूनतम 4 रुपये की बढ़ोतरी चाहते हैं.

बता दें कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में CNG की कीमत बुधवार को 6 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी गई थी. जिसके बाद सीएनजी की कीमत 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. सीएनजी के मामले में यह 13 महीनों में ग्यारहवीं वृद्धि है, जिसमें पिछले साल जुलाई से इस साल अगस्त के बीच कुल 36 रुपये तक बढ़ाए जा चुके हैं.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 05 अगस्त 2022

# सीएम शिंदे के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल

## शिवसेना की महिला पदाधिकारी पर मामला दर्ज

**मुंबई,** महाराष्ट्र में पुलिस ने के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए शिवसेना के उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े की एक महिला पदाधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि, ठाणे जिले के डोम्बिवली में शिवसेना के ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े की पदाधिकारी कविता गावंद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है. गौरतलब है कि मंगलवार को डोम्बिवली में शिवसेना कार्यालय में मुख्यमंत्री शिंदे और ठाकरे के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी थी. शिंदे गुट के समर्थक पार्टी कार्यालय में घुसे और वहां मुख्यमंत्री के साथ उनके बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे की तस्वीरें लगाईं. अधिकारी ने ये भी बताया कि, दोनों धड़ों के सैकड़ों समर्थकों के बीच झड़प काफी हुई थी. इस दौरान गावंड ने मुख्यमंत्री शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था.

उन्होंने बताया कि डोम्बिवली पुलिस थाने में महिला पदाधिकारी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 153(ए) (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और 505 (2) (समूहों के बीच शत्रुता, घृणा पैदा करने या उसे बढ़ावा देने वाले बयान देने) के तहत एक मामला दर्ज किया गया है. साथ ही ये भी कहा कि, अभी तक इस मामले में पुलिस के द्वारा कोई गिरफ्तारी नहीं की गयी है.

## उमेश कोल्हे हत्या मामले में रडार पर संदिग्ध

**मुंबई,** अमरावती में केमिस्ट उमेश कोल्हे हत्या मामले में एनआईए ने दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें मुख्य आरोपी के ड्राइवर का भी समावेश है। इन संदिग्धों के साथ आरोपियों की कुल संख्या अब नौ हो गई है। इस मामले में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी होने की संभावना जताई जा रही है। एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए आरोपियों में मुर्शीद अहमद रशीद (४१) और अब्दुल अरबाज अब्दुल सलीम (२३) का समावेश है। इससे जुड़े कुछ और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एनआईए की टीम फिलहाल अमरावती में है। जांच एजेंसी ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें एक पर हत्या के लिए पैसा इकट्ठा करने का आरोप है, वहीं दूसरे आरोपी पर फरार आरोपी को छिपाने का आरोप है। अमरावती के उमेश कोल्हे हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हत्या के पीछे निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में की गई सोशल मीडिया पोस्ट को कारण बताया गया। अमरावती में आतिब और शाहरुख नामक हमलावरों ने उमेश पर चाकू से हमला कर उनकी नृशंस हत्या कर दी थी। इस हत्या के पीछे इरफान खान नामक शख्स को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। आरोप है कि इरफान ने मौलाना मुदस्सिर अहमद से उमेश की रेकी करवाई फिर हत्या के लिए दिहाड़ी मजदूरी करनेवाले शाहरुख पठान, अब्दुल तौफीक, शोएब खान और आतिब रशीद को चुना। २१ जून की रात आतिब और शाहरुख ने उमेश की हत्या कर दी। शुरूआत में इस हत्या की जांच अमरावती पुलिस के पास थी लेकिन बाद में इसे एनआईए को ट्रांसफर कर दिया गया। अब एनआईए ने जांच तेज करते हुए गिरफ्तारी शुरू की है।

## बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे वायरल फीवर के शिकार

**मुंबई,** यदि आपका बच्चा स्कूल में पढ़ रहा है तो यह जानकारी सावधान करनेवाली है। जानकारी के अनुसार मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे वायरल फीवर के शिकार हो रहे हैं। बच्चों में सर्दी, खांसी और बुखार सहित कई अन्य लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम उपनगर में ऐसे अनेकों स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों में इस तरह के लक्षण दिखे हैं। इससे अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। हालांकि अब तक कितने बच्चे बीमार पड़े हैं, इसके आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। फिलहाल मनपा प्रशासन की तरफ से अपील की जा रही है कि अभिभावक अपने बच्चों का विशेष ध्यान दें। मुंबई शहर और उपनगरों के कई स्कूलों में बच्चों में वायरल फीवर और अन्य लक्षण दिखे हैं। पश्चिमी उपनगरों में स्कूलों के शिक्षकों ने सुझाव दिया है कि छात्रों में बुखार के लक्षण दिखने पर उन्हें कुछ दिनों तक स्कूल न भेजें। दूसरी तरफ स्कूलों के साथ-साथ कुछ निजी और घरों में संचालित होनेवाले क्लासेस में आनेवाले बच्चों में भी ऐसी बीमारियां दिखी हैं। मुंबई मनपा की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण कुछ प्रमाण में बुखार और सर्दी-जुकाम की बीमारियां होती हैं। हालांकि इससे घबराने की कोई वजह नहीं है। ऐसी परिस्थिति पैदा होने पर यदि अभिभावकों ने अपने बीमार बच्चों को कुछ दिनों के लिए आराम करने दिया और घर पर ही इलाज कराया तो वायरल बीमारियां ठीक हो जाती हैं।

## 12 तालाबों में शुद्धिकरण, बायोरेमेडिएशन और फ्लोटिंग वेटलैंड ट्रीटमेंट करने का फैसला

**ठाणे,** तालाबों के शहर के नाम से मशहूर ठाणे शहर के महत्वपूर्ण तालाबों के जल की गुणवत्ता में सुधार और जल प्रदूषण को रोकने के लिए ठाणे मनपा ने १२ तालाबों में बायोरेमेडिएशन और फ्लोटिंग वेटलैंड ट्रीटमेंट करने का फैसला किया है। उक्त १२ तालाब ठाणे, कलवा, मुंब्रा और दिवा में मौजूद हैं। इस संबंध में मनपा ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि ठाणे मनपा क्षेत्र में ६० से अधिक तालाब मौजूद हैं। ठाणे मनपा क्षेत्र में अवैध निर्माण और मनपा प्रशासन की लापरवाही की वजह से धीरे-धीरे तालाबों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके बावजूद कुछ तालाब अभी भी जीवित हैं। इन तालाबों को जीवित रखने की बड़ी चुनौती मनपा के सामने आ खड़ी हुई है। प्रदूषित पानी के कारण कुछ तालाब स्थायी रूप से नष्ट हो गए हैं। तालाब में प्रदूषित पानी के कारण जलीय जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। कुछ साल पहले ठाणे मनपा ने तालाबों के पानी की गुणवत्ता में सुधार के लिए मखमली तालाब में बायोरेमेडिएशन और फ्लोटिंग वेटलैंड प्रक्रिया की थी।

## जूनियर कॉलेज एडमिशन 2022 के लिए पहली मेरिट लिस्ट जारी

**मुंबई,** महाराष्ट्र में फर्स्ट ईयर जूनियर कॉलेज एडमिशन 2022 के लिए पहली मेरिट सूची जारी हो गई है. वे छात्र जिन्होंने क्लास 11वीं या फर्स्ट ईयर जूनियर कॉलेज में एडमिशन के लिए अप्लाई किया हो, वे आधिकारिक वेबसाइट से मेरिट लिस्ट चेक कर सकते हैं. ऐसा करने के लिए उन्हें इस वेबसाइट पर जाना होगा झ 11ौँरि२ड्ढल्ल. ड्ढ१.ल्ल रिजल्ट देखने के लिए कैंडिडेट्स को अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड इस्तेमाल करना होगा. एफवाईजेसी एडमिशन, कॉमन एडमिशन प्रॉसेस (उअढ) के माध्यम से आयोजित हो रहे हैं.

ऐसे चेक करें मेरिट लिस्ट झ

एफवाईजेसी एडमिशन 2022 की पहली मेरिट लिस्ट चेक करने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं यानी 11thadmission.org.in पर.

यहां होमपेज पर उस लिंक पर क्लिक करें जिस पर लिखा हो, - Maharashtra FYJC 11th Allotment Result.

इस पर क्लिक करते ही एक नया लॉगिन पेज खुलेगा. इस पेज पर अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड डालें और सबमिट कर दें.

इतना करते ही एक पीडीएफ फाइल आपके कंप्यूटर स्क्रीन पर दिख जाएगी.

यहां से इसे डाउनलोड कर लें और चाहें तो प्रिंट भी निकाल सकते हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र एफवाईजेसी सीएपी एडमिशन 2022 के लिए दो लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था.

एफवाईजेसी सीएपी एडमिशन 2022 के लिए कुल 2,30,927 सीटें उपलब्ध हैं.

मेरिट लिस्ट में जिन छात्रों को सीटें आवंटित हैं उन्हें इन सीटों पर अपना एडमिशन कंफर्म करना होगा. इसके बाद बची सीटों के अनुसार आगे की मेरिट लिस्ट जारी होगी. एफवाईजेसी प्रवेश 2022 के संशोधित नियमों के अनुसार, अगर कोई छात्र अपनी पसंद के कॉलेज में सीट आवंटित होने के बाद एडमिशन कंफर्म नहीं करता है, तो उसे केवल अगले राउंड में शामिल होने से रोका जाएगा. पूरी प्रक्रिया से बेदखल नहीं किया जाएगा.

## शिंदे गुट की याचिका पर अभी ना लें कोई फैसला - सुप्रीम कोर्ट

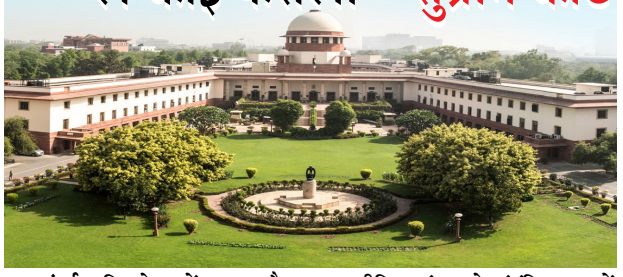



**मुंबई,** शिवसेना में फूट और सरकार के गिरने बनने की पूरी कहानी के बीच अभी भी दोनों धड़ों में विवाद बाकी है. सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एकनाथ शिंदे गुट की याचिका पर सुनवाई हुई. दरअसल एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से याचिका दायर की गई थी कि उन्हें ही असली शिवसेना माना जाए और पार्टी के सिंबल का अधिकार भी मिले. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को लेकर चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि एकनाथ शिंदे की याचिका पर अभी कोई फैसला नहीं लिया जाए.

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एन वी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि वो महाराष्ट्र के हाल के राजनीतिक संकट से संबंधित मामलों को संविधान पीठ के पास भेजने पर सोमवार तक फैसला लेगी. इसके अलावा याचिका को लेकर पीठ ने कहा कि हम इस पर फैसला लेंगे कि मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजा जाए या नहीं. दरअसल उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में हाल के राजनीतिक संकट के दौरान शिवसेना और उसके बागी विधायकों की तरफ से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है. इस संकट से राजनीतिक दलों में विभाजन, विलय, दल बदल और अयोग्य करार देने समेत संवैधानिक मुद्दे पैदा हुए हैं. जिसे लेकर दोनों ही पक्षों की तरफ से दायर की गई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की जा रही है.

## असंतुष्ट सदस्य के खिलाफ दलबदल विरोधी कानून को हथियार नहीं बना सकते - अदालत

**मुंबई,** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, किसी राजनीतिक दल के बहुमत खो देने पर अपने सदस्यों को 'कब्जे' में करने के लिए दलबदल विरोधी कानून को हथियार नहीं बनाया जा सकता। इसके बाद शीर्ष अदालत ने एकनाथ गुट के वकील को उद्धव ठाकरे गुट की याचिकाओं पर कानूनी मुद्दों को फिर से तैयार करने का निर्देश दिया।

सीजेआई एनवी रमण की पीठ के समक्ष शिंदे गुट के वकील हरीश साल्वे ने कहा, एक विधायक का नेतृत्व से असहमति और बदलाव की मांग पार्टी के भीतर के विवाद से संबंधित है। यह संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के अंतर्गत नहीं आता। साल्वे ने कहा, राजनीतिक दल शिवसेना में कोई विभाजन नहीं है बल्कि इसके नेतृत्व को लेकर विवाद है।

इसे पार्टी के भीतर का विवाद कहा जा सकता है, जो दलबदल कानून के दायरे में नहीं आता है। उन्होंने कहा, दलबदल विरोधी कानून केवल उन लोगों पर लागू होता है जिन्होंने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ी हो। लेकिन यहां एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक अभी भी शिवसेना के भीतर हैं।

पीठ ने साल्वे को महाराष्ट्र में हालिया राजनीतिक संकट के कारण उत्पन्न सांविधानिक मुद्दों पर प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे समूह की याचिकाओं पर कानूनी मुद्दों को फिर से तैयार करने को कहा। पीठ अब बृहस्पतिवार को इस पर विचार करेगी। पीठ शिवसेना और उसके बागी विधायकों द्वारा विभाजन, विलय, दलबदल और अयोग्यता के संवैधानिक मुद्दों पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 05 अगस्त 2022



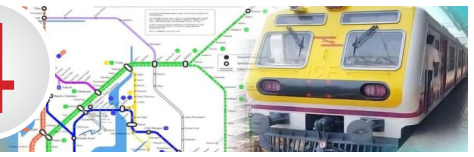

# अब कांग्रेस में भी टूट के आसार!

## कई नेताओं ने की देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात

**मुंबई. महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद अब कांग्रेस में भी अब सब कुछ ठीक नहीं होने की जानकारियां सामने आने लगी हैं. कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द ही कांग्रेस में भी शिवसेना की तरह बड़ी टूट हो सकती है. इन कयासों के पीछे वजहें भी हैं. दरअसल कांग्रेस के कई नेताओं ने पिछले दिनों महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी.**

महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में शामिल और पिछली सरकार के मंत्री असलम शेख ने पिछले सप्ताह देवेंद्र फडणवीस से उनके बंगले पर मुलाकात की थी. इस मुलाकात के दौरान बीजेपी नेता मोहित कंबोज भी मौजूद थे. मोहित कंबोज वहीं नेता हैं, जो शिंदे गुट की बगावत के बाद सूरत से लेकर उनके मुंबई वापस लौटने तक साथ में थे. जानकारी यहां तक निकल कर सामने आई थी कि शिंदे गुट के तमाम बागी विधायकों को संभालने की जिम्मेदारी कंबोज को ही दी गई थी. कंबोज फडणवीस के काफी करीबी माने जाते हैं. असलम शेख के फडणवीस से मुलाकात करने के बाद ये चर्चा है कि वो बहुत जल्द बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. असलम के 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी बीजेपी में शामिल होने की जबरदस्त चर्चा थी, लेकिन शिवसेना के अलग होने के बाद और MVA बनने के बाद असलम ने अपना पैंतरा बदल लिया था.

दूसरी बड़ी वजह पिछले सप्ताह ही कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा, विधायक अमीन पटेल और जीशान सिद्दीकी ने भी देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी. इस मुलाकात के बाद इन तीनों के भी बीजेपी में शामिल होने की चचाओं का दौर शुरू हो गया है.

हालांकि देवड़ा ने मुलाकात के पीछे की वजह बीएमसी वार्ड संरचना में बदलाव करने की मांग का मुद्दा बताया था. दरअसल मिलिंद देवड़ा कांग्रेस में भले ही हैं, लेकिन पिछले कई सालों से वो तटस्थ भूमिका में रहे हैं. साथ ही पार्टी के कई फैसलों का विरोध भी करते रहे हैं. महाराष्ट्र कांग्रेस में हर बड़े नेता की एक अपनी लॉबी और गुट है. जो बड़े पद पर रहता है, चलती उसी की है और बाकी गुट साइडलाइन रहता है.

शिंदे-बीजेपी सरकार के फ्लोर टेस्ट के दौरान अशोक चव्हाण के न पहुंचने के चलते पार्टी आलाकमान उनसे काफी नाराज चल रहा है. अशोक चव्हाण के भी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से काफी नाराज होने की खबरें हैं. ऐसे में अशोक चव्हाण के भी बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगातार लगाई जा रही हैं.

# टीवी का वॉल्यूम बढ़ाकर प्रेमी जोड़े ने कमरे में की आत्महत्या

**औरंगाबाद,** महाराष्ट्र के औरंगाबाद में एक प्रेमी जोड़े ने होटल के कमरे में आत्महत्या कर ली। इस मामले के सामने आते ही हडकंप मच गया है। कपल ने आत्महत्या करने से पहले कमरे का दरवाजा बंद किया ताकि उनकी आवाज न सुनाई दे। साथ ही टीवी का वॉल्यूम बढ़ाया और फिर फांसी लगा ली।

वहीं औरंगाबाद में हुई इस घटना के बाद हडकंप मच गया है। सवाल इसलिए भी ज्यादा उठ रहा है कि कपल की लाश तीन दिनों तक होटल के कमरे में थी। कमरे से जब बदबू आने लगी तो मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। जिसके बाद पूरी घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद दरवाजा खोला गया।

इस कपल में से सिर्फ एक पास ही मोबाइल फोन था। लेकिन होटल में आने के बाद उस मोबाइल को एयरप्लेन मोड पर रखा गया था। जिसके चलते पिछले तीन दिनों से कोई इनसे संपर्क नहीं कर पाया था। यह पूरी घटना शहर के रेलवे स्टेशन के इलाके द ग्रेट पंजाब होटल में घटी है। प्रेमी ने जहां फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वहीं प्रेमिका ने जहर पीकर मौत को गले लगाया है।

इस मामले में वेदांत नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। आत्महत्या करने वालों की पहचान सागर बावने और सपना खंडारे के रूप में हुई है। मृतक सागर ने ही 29 जुलाई को द ग्रेट पंजाब होटल में कमरा बुक किया था। सपना ने भी सागर के साथ होटल में प्रवेश किया था। जहां दोनों का आधार कार्ड लिया गया था।

होटल के कमरे में घुसने के बाद दोनों ने कोई भी ऑर्डर नहीं किया। साथ ही कमरे से बाहर भी नहीं निकले थे। लेकिन दो अगस्त को साफ सफाई करने वाला कर्मचारी जब दरवाजे के बाहर झाडू लगा रहा ती उसे बदबू आई। जिसके बाद उसनें दरवाजे को खटखटाया लेकिन कोई प्रतिसाद नहीं मिला। जिसके बाद कर्मचारी ने पूरी जानकारी होटल मैनेजमेंट को दी। सागर और सपना के बीच प्रेम संबंध था। हालांकि इस कपल ने यह कदम क्यों उठाया इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

# जलाशयों के लबालब होने के लिए महज 11 फीसदी बारिश के पानी की जरूरत

**मुंबई,** मुंबइकरों की प्यास बुझाने वाली झीलें जलपति हो गई हैं। मतलब मुंबई को जलापूर्ति करने वाले सभी सात जलाशय ४५ दिनों में ८९.०६ फीसदी तक भर चुके हैं, अर्थात बारिश ने हर दिन दो प्रतिशत पानी डिपॉजिट किया। अब इन जलाशयों के लबालब होने के लिए महज ११ फीसदी बारिश के पानी की जरूरत है। गौरतलब है कि इन जलाशयों में १८ जून तक ११ प्रतिशत पानी बचा था। फिलहाल कई दिनों से विश्राम करने के बाद फिर से वरुण देव ने जलाशय क्षेत्रों में बारिश शुरू कर दिया है। इससे जलाशयों के जल स्तर में मामूली वृद्धि हुई है, वहीं संभावना जताई गई है कि जल्द ही जलाशय भरकर बहने लगेंगे, जिसके चलते मुंबई पर एक साल तक जलसंकट नहीं छाएगा। उल्लेखनीय है कि मुंबईवासियों को अपर वैतरणा, मोडक सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी समेत सात जलाशयों से जलापूर्ति की जाती है। इन सातों जलाशयों में इस समय १२,८८,९८० एमएलडी जल भंडारण हुआ है।

# आरटीओ के स्टिंग से हुआ खुलासा!

**नई मुंबई,** वाशी आरटीओ के बाहर ही दलालों द्वारा लर्निंग लाइसेंस का झोल किया जा रहा था। इसका खुलासा खुद आरटीओ के स्टिंग से हुआ है। दलालों द्वारा बिना अभ्यर्थी के लर्निंग लाइसेंस की परीक्षा पास कराने का मामला सामने आया है। अब इस मामले में एपीएमसी पुलिस ने एक दलाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कर गिरोह से जुड़े अन्य दलालों को भी नोटिस जारी की है।

वाहन चालकों की सुविधा के लिए आरटीओ की सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं, जिसमें लाइसेंस बनाने से लेकर किसी भी तरह के रजिस्ट्रेशन या शुल्क भरने की सुविधाएं शामिल हैं। इस बीच राज्य परिवहन विभाग को जानकारी मिली थी कि कुछ दलाल बिना फर्जी लोगों से टेस्ट दिलवाकर लर्निंग लाइसेंस बनवाने का कार्य करते हैं। सूचना के बाद सभी आरटीओ कार्यालयों को सत्यापन के लिए अधिसूचित किया गया था।

नई मुंबई आरटीओ हेमांगिनी पाटील के मार्गदर्शन में सहायक उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी गजानन गावंडे, सहायक निरीक्षक तुषार कदम ने प्रत्यक्ष रूप से जांच में पाया कि आरटीओ कार्यालय के पास ही एक दलाल फर्जी कार्य को अंजाम दे रहा है। एक अधिकारी को डमी अभ्यर्थी तुषार कदम बनाकर दलाल के पास भेजा गया। कदम ने दलाल को आधार कार्ड दिया और सांगली में रहने वाले उसके दोस्त का लर्निंग लाइसेंस बनाने की बात कही।

# स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं बच्चे

नसिक, देश में शिक्षा मुहैया कराने के लिए केंद्र के साथ-साथ सभी राज्यों की सरकारें लगातार प्रयास कर रही हैं, जिसके लिए सरकारें स्कूल में मिड डे मील से लेकर छात्रों को स्कूल पहुंचाने तक की कई सुविधाएं मुहैया करा रही हैं। लेकिन देश में अब भी कई इलाके ऐसे हैं जहां मूलभूत सुविधाएं भी अब तक नहीं पहुंच सकी हैं। एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है जिसमें स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर दिख रहे हैं।

बारिश के कारण देश की बहुत सारी नदियां उफान पर हैं। देश के बहुत सारे हिस्से बाढ़ के चपेट में हैं, जिससे लोगों को अपने बच्चों को स्कूल पहुंचाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में कई दिनों से बारिश हो रही है। जिससे लोगों की जीवन प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश होने से यहां के लोगों को काफी परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव दूर-दराज से स्कूल आने वाले बच्चों पर पड़ रहा है।

महाराष्ट्र के नसिक जिले में एक नदी के ऊपर पुल नहीं होने के कारण स्कूली छात्रों को स्कूल जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र के पेठ तालुका में नदी के ऊपर पुल नहीं होने से स्थानीय निवासी स्कूली छात्रों को अपने कंधे या बड़े-बड़े बर्तनों में रखकर प्रतिदिन नदी पार कराते हैं, जिससे वह स्कूल जाते हैं। दूसरा रास्ता नहीं होने से इसके अलावा स्थानीय निवासियों के पास कोई अन्य विकल्प भी नहीं है।

स्थानीय निवसियों ने कहा, ह्य नदी गहरी है। बच्चों का स्कूल जाना भी बहुत जरूरी है, इसलिए हम लोग बच्चों को अपने कंधे पर या बड़े बर्तनों में रखकर नदी पार कराते हैं, तब सभी बच्चे स्कूल जा पाते हैं। इसके अलावा हमारे पास दूसरा और कोई विकल्प नहीं है। नदी पार करने के लिए नदी पर कोई पुल नहीं बना है। हम प्रशासन से नदी के उपर पुल बनाने का निवेदन करते हैं।'

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रुम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!